#### **DETAILED COURSE SYLLABUS (HINDI)**

Note: Syllabus is being provided in Hindi for ease of students opting Hindi medium, however, English version should be referred in case of confusion and English version should be deemed to be standard.

## i Fle o"kZ

## isij i Flee % i fjp; k Rekd i 'k fpfd Rlk' k j hj j puk fo K ku lsest. V j i Flee

कोर्स का नाम : परिचयात्मक पशुचिकित्सा शरीर रचना विज्ञान—। कोर्स नं. ए.एच.डी.—111, क्रेडिट ऑवर : 3 (2+1)

#### 13 Ktrd

- 1. हिडिड्यों का सामान्य अध्ययन अस्थि विज्ञान में काम आने वाली शब्दावली, अस्थियों के आकारानुरूप उनका वर्गीकरण, कार्य, गोवंश के कंकाल की हिडियों का विवरण पहचान एवं घोडे. कुत्ते, भेड., शूकर व मुर्गी के कंकालों का तुलनात्मक अध्ययन ।
- 2. शरीर में पाये जाने वाले विभिन्न प्रकार के जोड. एवं संधियों का अध्ययन ।
- 3. पैर व गर्दन की मुख्य पेशियां एवं टेण्डन का अध्ययन ।
- 4. त्वचा एवं उससे संबंधित अवयवों का अध्ययन जैसे एपीडर्मिस, डर्मिस, त्वचा के रंग, हायपोडर्मिस, बाल, त्वचा में पाई जाने वाली स्त्रावी ग्रन्थियां, सींग, डयूक्लाज, चेस्टनट आदि।

#### Ilk kxd

विभिन्न चार्टस, मोडल्स एवं सामान्य प्रयोगशाला सुविधाओं द्वारा शरीर रचना विज्ञान के निम्न बिन्दुओं का प्रायोगिक अध्ययन ।

- 1. हिडिड्यों का सामान्य अध्ययन अस्थि विज्ञान में काम आने वाली शब्दावली, अस्थियों के आकारानुरूप उनका वर्गीकरण, कार्य, गोवंश के कंकाल की हिडियों का विवरण पहचान एवं घोडे कुत्ते, भेड., शूकर व मुर्गी के कंकालों का तुलनात्मक अध्ययन ।
- 2. शरीर में पाये जाने वाले विभिन्न प्रकार के जोड. एवं संधियों का अध्ययन ।
- 3. पैर व गर्दन की मुख्य पेशियां एवं टेण्डन का अध्ययन ।
- त्वचा एवं उससे संबंधित अवयवों का अध्ययन जैसे एपीडर्मिस, डर्मिस, त्वचा के रंग, हायपोडर्मिस, बाल, त्वचा में पाई जाने वाली स्त्रावी ग्रन्थियां, सींग, डयूक्लाज, चेस्टनट आदि।

læ&Vj f}rh,%

# dki Zdk uke %ifjp; kttkd i 'ktpfdRik 'kjhj jpuk foKku&AA

कोर्स नं. ए.एच.डी.112, क्रेडिट ऑवर : 3 (2+1)

### 1 \$ Mtd

- 1. कोशिका—पशु संरचना का आधार कोशिका संरचना एवं विभिन्न प्रकार के ऊतकों की संरचना एवं जानकारी ।
- 2. पाचन तंत्र :— मुंह, टोन्सिल्स, फेरिन्क्स, आहारनाल, रूमिनेन्ट व नानरूमिनेन्ट स्टोमक, छोटी आंत, बडी आंत व पाचन से संबंधित सहायक अंग व पाचन ग्रन्थियां ।
- 3. श्वसन तंत्र :— नोस्ट्रिल नेजलकेविटी, साइनस, फरिन्क्स, लेरिन्क्स, ट्रेकिया, लन्गस थोरेक्स, प्लूरा व श्वसन की कार्यकी ।
- 4. रक्त परिवहन तंत्र:— हृदय, रक्त वाहिनियां, शिरायें, धमनियां, पोर्टल सरक्यूलेशन, फीटल सरक्यूलेशन, लिम्फेटिक सिस्टम।
- 5. उत्सर्जन तंत्र :- गुर्दो की संरचना, यूरेटर, ब्लेडर, यूरेथरा, गुर्दे के कार्य नेफ्रोन की संरचना, मिक्च्यूरेशन आदी।
- 6. मादा जनन तंत्र :— अण्डाशय, यूटराइन टयूब, यूटरस, वैजाइना, वल्वा जनन अंगों को जाने वाली रक्त शिरायें व स्नायूतंत्र ।
- 7. नर जनन तंत्र :— वृषण, एपीडिडायमस, डक्टस डिफेरेन्श, स्कोटम, पेनिस, नर प्रजनन अंगों को जाने वाली प्रमुख पेशियां, जनन तंत्र से संबंधित रक्त शिरायें, स्नायू तंत्र व सहायक जनन ग्रन्थियां, सेकेण्डरी सेक्स करेक्टर।
- 8. थनों की संरचना ।

#### ik kfxd

विभिन्न चार्टस, मोडल्स एवं सामान्य प्रयोगशाला सुविधाओं द्वारा शरीर रचना विज्ञान के निम्न बिन्दुओं का प्रायोगिक अध्ययन ।

- 1. कोशिका—पशु संरचना का आधार कोशिका संरचना एवं विभिन्न प्रकार के ऊतकों की संरचना एवं जानकारी ।
- 2. पाचन तंत्र :- मुंह, टोन्सिल्स, फेरिन्क्स, आहारनाल, रूमिनेन्ट व नानरूमिनेन्ट स्टोमक, छोटी आंत, बडी आंत व पाचन से संबंधित सहायक अंग व पाचन ग्रन्थियां ।
- श्वसन तंत्र :— नोस्ट्रिल नेजलकेविटी, साइनस, फिरन्क्स, लेरिन्क्स, ट्रेकिया, लन्गस थोरेक्स, प्लूरा व श्वसन की कार्यकी ।
- 4. रक्त परिवहन तंत्र:— हृदय, रक्त वाहिनियां, शिरायें, धमनियां, पोर्टल सरक्यूलेशन, फीटल सरक्यूलेशन, लिम्फेटिक सिस्टम।
- 5. उत्सर्जन तंत्र :- गुर्दो की संरचना, यूरेटर, ब्लेडर, यूरेथरा, गुर्दे के कार्य नेफ्रोन की संरचना, मिक्च्यूरेशन आदी।
- मादा जनन तंत्र :— अण्डाशय, यूटराइन टयूब, यूटरस, वैजाइना, वल्वा जनन अंगों को जाने वाली रक्त शिरायें व स्नायूतंत्र ।
- 7. नर जनन तंत्र :— वृषण, एपीडिडायमस, डक्टस डिफेरेन्श, स्कोटम, पेनिस, नर प्रजनन अंगों को जाने वाली प्रमुख पेशियां, जनन तंत्र से संबंधित रक्त शिरायें, स्नायू तंत्र व सहायक जनन ग्रन्थियां, सेकेण्डरी सेक्स करेक्टर।
- 8. थनों की संरचना ।